महत्वपूर्ण एवं खास

सेंट्रल बैंक मारकेल शाखा में चोरों ने किया सेंधमारी

जगदलपुर (आरएनएस)। जिले के नगरनार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मारकेल में स्थित सेंट्रल बैंक की शाखा मारकेल में लाकॅडाउन के दौरान चोरों ने सेंधमारी कर बैंक के अंदर प्रवेश करने में सफल हो गये, लेकिन बैंक के स्ट्रांग रूम का दरवाजा तोड़ने में चोर सफल नहीं हो पाए जिससे चोरों को खाली हांथ जाना पड़ा है। सेंधमारी की जानकारी मिलते ही मौके पर नगरनार थाना प्रभारी सहित पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर सेंट्रल बैंक की शाखा का मुआयना कर मामला पंजिबध्द कर कार्यवाही कर रही है। नगरनार थाना प्रभारी शिव शंकर गेंदले ने बताया कि कल रात अज्ञात चोरों के द्वारा सेंट्रल बैंक मारकेल शाखा की खिड़की के नीचे की दीवाल पर सेंधमारी कर बैंक में दाखिल हुए बैंक के स्ट्रांग रूम का दरवाजा तोड़ने में चोर सफल नहीं हो पाए जिससे बैंक के सभी सामान सुरक्षित हैं। सेंधमारी की इस घटना के बाद भी बैंक को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। पुलिस मामले की जांच कर सेंधमारी में शामिल चोरों तक पहुंचने के लिए कार्यवाही की बात कही है।

दुर्घटनाग्रस्त कार को अज्ञात आरोपियों ने लगाई आग

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर जिले के अभनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पचेड़ा के पास दुर्घटनाग्रस्त कार को अज्ञात आरोपियों ने आग लगाकर जला दिया। इस घटना की शिकायत पर पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध किया है। मिली जानकारी के अनुसार एक कार ग्राम पचेड़ा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, जिसमें सवार दो भाई घायल हो गए थे। दुर्घटना में कार पलट गई थी, जिसे घटना के बाद जब उसे लेने पहुंचे तो देखा कि कार पुरी तरह जल गई थी। अज्ञात असामाजिक तत्वों ने उसे आग लगा दी थी। पुलिस ने कार मालिक की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया है।

युवक ने किया अधेड़ पर चाकू से हमला, जुर्म दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। शहर के गांधी नगर मैदान के पास शुक्रवार शाम को एक नशे में धूत युवक ने एक अधेड़ पर चाकू से मारकर घायल कर दिया। कोतवाली थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी रोशन दीप पिता रसानंद (19) निवासी बैरन बाजार कल शाम करीब 4.30 बजे गांधीनगर मैदान के पास नशे में धूत होकर गाली-गलौच कर रहा था, जिसे प्रार्थी स्टील साहू पिता मोतीलाल (45) निवासी बैरनबाजार ने जब उसे गाली-गलौच करने से मना किया तो आरोपी ने इस बात पर प्रार्थी के जांघ पर चाकू से वार कर घायल कर दिया।

दैहिक शोषण का फरार आरोपी की हुई गिरफ्तार

कांकेर (आरएनएस)। जिले के अंतागढ़ में तीन महिने से फरार दैहिक शोषण के आरोपी गजेंद्र नाग को पुलिस कल दोपहर में गिरफ्तार किया है। जनवरी महीने में महिला ने भूतपूर्व सरपंच पति गजेंद्र नाग पर दैहिक शोषण का आरोप लगाया था, तब से आरोपी फरार चल रहा था। थाना प्रभारी अंतागढ़ नितिन तिवारी ने बताया कि आरोपी गजेंद्र नाग अंतागढ़ के बाजार में दैनिक उपयोग की सामग्री खिरीदी के लिए निकला था। जिसकी सूचना पुलिस मिलते ही मौके पर पहुंचकर आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस की टीम निकली थी, आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया है।

निजामुद्दीन से आए 15 लोगों का सैंपल जांच के लिए भेजा गया

कोरबा (आरएनएस)। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए जिला प्रशासन हाई अलर्ट है। इसके लिए जहां पहले तब्लीगी जमात के सभी लोगों का कोरोना सैंपल लेकर जांच करा लिया गया था। वहीं अब दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के आसपास 13 से 15 मार्च के बीच ऑपरेट हुए मोबाइल के आधार पर जारी हुए सूची में मिले 15 लोगों का भी सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया है। प्रशासन ने इन लोगों को होम क्वारेंटाइन में रखा था। उनमें लक्षण नहीं मिले।

घर में लग गई आग

कोरबा (आरएनएस)। बालको रिंग रोड पर स्थित कृष्ण कुमार शर्मा के घर में अज्ञात कारणों से अचानक आग लग गई। आग लगने की जानकारी सुबह.सुबह ही वार्ड पार्षद हितानंद अग्रवाल को दी गयी, जिसके बाद वे तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे एवं तत्काल उनके द्वारा विद्युत विभाग से संपर्क कर बिजली कटवाई गई। फायर ब्रिगेड एवं पुलिस प्रशासन को सूचित कर बुलाया गया जिसके बाद सभी की मदद से आग को बुझाया गया। किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

फल, सब्जी, कृषि उत्पादों के परिवहन के लिए कोविड स्पेशल मालगाड़ियों का परिचालन शुरू

» राज्य के किसान भेज सकेंगे अपना उत्पाद » परिवहन के लिए रेलवे मैनेजरों एवं हेल्प लाईन नंबर 183 पर करें सपर्क

रायपुर (आरएनएस)। कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए किए गए देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान किसानों की समस्या को देखते हुए भारतीय रेलवे द्वारा फल, सब्जी एवं कृषि उत्पादों के परिवहन के लिए कोविड स्पेशल मालगाड़ी की व्यवस्था की गई है। किसान अपने उत्पाद सब्जी, फल, मछली, चिकन, अण्डा, अनाज एवं कृषि उत्पादनों को विक्रय के लिए अन्य स्थानों में मालगाड़ी द्वारा भेजने के लिये भारतीय रेलवे द्वारा निर्धारित मार्ग एवं समय की जानकारी प्रिंसिपल चीफ कमर्शियल मैनेजर मो.- 9752475950 एवं चीफ कमर्शियल

मैनेजर मो.- 9752475903 दक्षिणी पूर्वी मध्य रेलवे बिलासपुर, छत्तीसगढ़ से सम्पर्क कर सकते हैं। इसके अलावा परिवहन के सम्बन्ध में अधिक जानकारी के लिये दक्षिणी पूर्वी मध्य रेलवे के हेल्प लाईन नंबर 138 पर भी सम्पर्क किया जा सकता है। परिवहन में लगने वाले राशि की गणना दूरी (कि.मी.) एवं वनज के अनुसार वेबसाइट के माध्यम से की जा सकती है। दक्षिण पूर्वी मध्य रेल्वे बिलासपुर के चीफ कमर्शियल मैनेजर के द्वारा उपलब्ध करायी गयी जानकारी के अनुसार वर्तमान में इतवारी से टाटानगर, दुर्ग से कोरबा, दुर्ग से अम्बिकापुर, दुर्ग से छपरा के मध्य मालगाड़ी का संचालन किया जा रहा है। इस व्यवस्था के अंतर्गत कृषक, कृषक संगठन, कृषक उत्पादन संगठन (एफपी.ओ.) एवं अन्य व्यापारी अपने उत्पादों को भेज सकते हैं।

गौरतलब है कि कोरोना वायरस (कोविड-19) के प्रभाव के कारण देश इस समय लाकडाउन से गुजर रहा है और इसके कारण किसानों का उत्पादित सामग्री सब्जी, फल, मछली, चिकन, अण्डा, अनाज एवं अन्य का परिवहन बाधित हो रहा है जिससे कृषकों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य परिवहन एवं बाजार व्यवस्था नहीं होने के कारण नहीं मिल पा रहा है। वर्तमान में इससे प्रभावित मुख्य फसलें- मिर्च, केला, पपीता एवं अमरूद (थाई) है। मिर्च, केला एवं पपीता की 300 मि.टन एवं अमरूद (थाई) की 40 मि.टन की आपूर्ति प्रति दिवस आगामी 25 से 40 दिवस तक किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ में वर्तमान में 76433 लोग होम क्वारेंटीन में, 9 पॉजीटिव मरीजों का इलाज जारी

» होम क्वारेंटीन में रहने वालों पर पुलिस विभाग द्वारा सतत निगरानी की जा रही

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में वर्तमान में अभी तक 76433 लोगों को होम क्वारेंटीन में रहने के लिए कहा गया है, जिन पर पुलिस विभाग द्वारा सतत् निगरानी की जा रही है, वहीं प्रदेश में अब तक कुल 09 कोरोना संक्रमित मरीज है जिनका एम्स रायपुर में इलाज जारी है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग राज्य कन्ट्रोल एन्ड कमांड सेंटर द्वारा 11 अप्रैल को शाम 5 बजे तक जारी बुलेटिन में कहा गया है कि डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार विश्व में अब तक कुल 1521252 व्यक्ति संक्रमित है और अभी तक कुल 92798 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। वहीं भारत में कोरोना वायरस से संक्रमण से 32 राज्य प्रभावित है जिनमें कुल 7447 लोग कोरोना से संक्रमित है और कुल 239 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

छत्तीसगढ़ की बात करें तो यहां अब तक कोरोना वायरस के कुल 3858 संभावित लोगों की पहचान कर सैंपल जांच किया गया है इनमें अभी तक 3503 परिणाम निगेटिव आई है तथा 337 की जांच जारी है। वर्तमान में प्रदेश में कोरोना वायरस से 09 लोग संक्रमित है, जिनका एम्स रायपुर में इलाज जारी है। राज्य में विदेश से लौटे लोगों की संख्या 01 मार्च 2020 के बाद कुल 2376 है। वर्तमान में प्रदेश में 76433 लोगों को होम क्वारेंटीन में रहने में है, जिन पर पुलिस विभाग द्वारा सतत निगरानी की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक जगहों में अब मास्क पहनना अनिवार्य

» राज्य सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने किया आदेश जारी

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य में प्रत्येक व्यक्ति को अब घर से बाहर सार्वजनिक स्थानों में निकलते समय मास्क पहनना अनिवार्य किया गया है। राज्य सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मंत्रालय महानदी भवन से इस आशय का आदेश जारी किया गया है।

जारी आदेश के तहत चिकित्सकीय विशेषज्ञों द्वारा कोविड-19 के रोकथाम व बचाव के लिए प्रत्येक व्यक्ति को मास्क-फेस कवर पहनना आवश्यक बताया गया है। यह एपिडेमिक एक्ट 1897 एवं छत्तीसगढ़ एपिडेमिक डीसीजेज कोविड-19 विनियम 2020 तथा छत्तीसगढ़ पब्लिक हेल्थ एक्ट 1949 की धारा 71 (1) के तहत अनिवार्य किया गया है। बिना मास्क-फेस कवर के घर से बाहर सार्वजनिक स्थानों पर जाना इसका उल्लंघन माना जाएगा और तदनुसार विधिक कार्यवाही की जाएगी। आदेश में कहा गया है कि बाजार में मिलने वाले ट्रिपल लेयर मास्क का प्रयोग किया जा सकता है अथवा होम मेड तीन परतों वाला फेस कवर बनाया जा सकता है। इस होम मेड मास्क-फेस कवर को साबुन से सफाई से धोकर पुनः प्रयोग में लाया जा सकता है। मास्क और फेस कवर उपलब्ध ना होने की स्थिति में गमछा, रूमाल, टुपट्टा आदि का भी उपयोग फेस कवर के रूप में किया जा सकता है। बशर्ते मास्क-फेस कवर पूर्ण रूप से मुंह एवं नाक को ढकने में सक्षम हो। कभी भी उपयोग में लाया हुआ फेस कवर मुंह, नाक ढकने में प्रयुक्त होने वाला गमछा आदि का पुनः प्रयोग बिना साबुन से अच्छी तरह साफकिए नहीं किया जाए।

रायपुर रेल मंडल से देश के विभिन्न भागों में आवश्यक वस्तुओं का लदान जारी

रायपुर (आरएनएस)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल द्वारा आवश्यक वस्तुओं का लदान किया जा रहा है। पूरे देश में लॉकडाउन की अवधि में आवश्यक वस्तुओ व सेवाओं में कोई कमी ना आये इसके लिए भारतीय रेल में मालगाड़ियों चलाई जा रही हैं।

भारतीय रेल की अहम भूमिका होने के कारण रायपुर रेल मंडल के अधिकारी कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं एवं देश में लॉकडाउन खाने-पीने का सामान, कोयला, चावल. अनाज, खाने का तेल, चीनी, डेयरी प्रोडक्ट, इत्यादि सामानों की आपूर्ति को सामान्य

करने की जिम्मा संभाला है। विषम परिस्थितियों में भी पूरे देश में मालगाड़ियों का परिचालन लगातार हो रहा है। इस कार्य में लगे लोको पायलट, मालगाड़ियों के लिए गार्डो, गुड्स सुपरवाईजर सोशल डिस्टेन्स को रखते हुए इन कार्यो को कर रहे है, अपने दायित्व को गंभीरता से पालन करने के कारण ही रायपुर रेल मंडल देश में खाद्यान्न सहित आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति कर पा रहा हैं।

इस प्रकार की गतिविधियां पूरे देश में जारी हैं जिससे आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति को सुनिश्चित हो रही हैं इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के साइडिंग (एफ़सी एम एच) मंदिर हसौद साइडिंग (भारतीय खादय निगम, मंदिर हसौद) , बिल्हा, बालोद , आरएसडी, छत्तीसगढ़ से चावल की लोडिंग कर देश के विभिन्न भागों में भेजा जा रहा है। साइडिंग से हजारीबाग टाउन, धनबाद, साहिबगंज, बिहार, झारखंड, तेलंगाना, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल के राज्यों में चावल मालगाड़ी द्वारा भेजा जा रहा है दिनांक 24 मार्च 2020 से 10 अप्रैल, 2020 तक लगभग 69665 टन चावल (फूड ग्रेन) 1109 बीसीएन वैगन द्वारा 24 फेरों में(24मालगाड़ियों में) लगभग 30341 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए भेजा गया। इसी कड़ी में आगे भी माल लदान चालू है । लॉक डाउन में भी रायपुर रेल मंडल की साइडिंग से फूड ग्रेन भेजने की प्रक्रिया जारी है ।

प्रदेश के 3.93 लाख किसानों को 533 करोड़ रूपए फसल बीमा दावा भुगतान

» सिंचाई परियोजना में सृजित होंगे 26.86 लाख मानव कार्य दिवस

» लॉकडाउन के दौरान 19.87 लाख किसानों को 397.47 करोड़ रूपए भुगतान का प्रस्ताव

» मनरेगा के माध्यम से 9,997 बाड़ी का विकास

रायपुर (आरएनएस)। राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री फसल बीमा के तहत खरीफ वर्ष 2019 में 3 लाख 93 हजार 763 किसानों को 533 करोड़ 9 लाख रूपए फसल बीमा का दावा भुगतान की राशि सीधे उनके बैंक खातों में जमा किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त दावा की राशि लगभग 101 करोड़ रूपए किसानों को भुगतान करने

की कार्यवाही की जा रही है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफवर्ष 2019 में 15 लाख 52 हजार किसानों का कुल 8,142.18 करोड़ रूपए का बीमा किया गया है। जिसके लिए 1139.75 करोड़ रूपए प्रीमियम राशि का भुगतान बीमा कम्पनी को किया गया है। जिसमें किसानों का अंशदान 162.84 करोड़ भी शामिल है।

राज्य में मौसम आधारित फसल बीमा योजना के तहत खरीफवर्ष 2019 में 11 हजार 475 किसानों द्वारा उद्यानिकी फसल का बीमा कराया गया था। जिसमें से 7 हजार 668 किसानों को 12 करोड़ 38 लाख रूपए का दावा भुगतान किया जा चुका है एवं 2 हजार 593 किसानों को फसल बीमा दावा की राशि एक करोड़ 85 लाख रूपए की भुगतान की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। प्रदेश में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत वाटरशेड संबंधित कार्यों में लगभग 24 लाख 86 हजार मानव दिवस एवं लघुत्तम सिंचाई तालाब एवं चेकडेम निर्माण में 2 लाख मानव कार्य दिवस सृजित किए जाएंगे।

राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए लॉकडाउन के बाद 19 लाख 87 हजार किसानों को 397.47 करोड़ रूपए प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत भुगतान के लिए भारत सरकार को आनलाईन प्रस्ताव भेजा गया है। भारत सरकार द्वारा सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के तहत भुगतान की कार्यवाही किस्तों में की जा रही है।

राज्य शासन के बीज निगम द्वारा बीज उत्पादक किसानों को 5 करोड़ रूपए का भुगतान किया जा रहा है। शेष राशि 20 करोड़ रूपए की भुगतान की कार्यवाही जारी है। राज्य में सुराजी गांव के बाड़ी विकास कार्यक्रम के तहत 2019-20 में मनरेगा के तहत 9 हजार 997 बाड़ी स्वीकृत किया गया है। राज्य पोषित बाड़ी विकाय योजना के तहत उद्यानिकी विभाग को वित्तीय वर्ष 2019-20 में 10 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। जिसका उपयोग खरीफ2020 में बाड़ी विकास के लिए किया जाएगा।

केंदई रेंज में घूम रहे 32 हाथी

कोरबा (आरएनएस)। वनमंडल कटघोरा के केंदई रेंज में 32 हाथी घूम रहे हैं। 30 हाथी ग्राम परला व दो दंतैल हाथी ग्राम भुकभुकी में हैं।

दंतैल हाथियों ने गुरुवार रात ग्राम पंचायत खम्हारमुड़ा के भुकभुकी में जमकर उत्पात मचाया। यहां 6 मकानों को तोड़कर चावल खा गए। ग्रामीणों ने परिवार समेत भागकर अपनी जान बचाई। अभी भी हाथी आसपास ही घूम रहे हैं। जिससे ग्रामीणों में डर बना है। केंदई परिक्षेत्र में हाथी सालभर घूमते रहते हैं। बारिश के दिनों में फसल को नुकसान पहुंचाते हैं। इस समय भोजन व पानी जंगल में ही मिल जाता है। गर्मी के समय हाथी गांव का रूख करते हैं। दो दंतैल हाथियों ने भुकभुकी में चावल खाने के लिए ही मकानों को तोड़ दिया। इसकी जानकारी होने पर जिला पंचायत सदस्य उर्मिला रायसिंह मरकाम ने जानकारी ली। मरकाम ने बताया कि 6 परिवार बेघर हो गए हैं। लॉकडाउन के बीच हाथी उत्पात बड़ी समस्या है। उन्होंने बताया कि वन अमला हाथियों की निगरानी तो कर रहा है लेकिन गांव में घुसने से नहीं रोक पा रहा है। डीएफओ समा फारूकी ने बताया कि अभी तक किसी तरह जानमाल नुकसान की जानकारी नहीं आई है। वन अमले को निगरानी करने कहा गया है।

तेंदुए के हमले से बच्चे की मौत, वन विभाग ने परिजनों को दिए 25 हजार

» गांव में लगाए ट्रेक कैमरा

गरियाबंद (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद इलाके में तेंदुए के हमले में एक बच्चे की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मासूम घर के बाहर खेल रहा था। इस दौरान तेंदुए ने झपट्टा मारकर उसे अपने कब्जे में ले लिया। वहीं उपचार के दौरान बच्चे की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार गरियाबंद जिले के कोचेंगा गांव का मामला है। बताया जा रहा है ?कि परिवार और गांववाले को जब इसकी जानकारी हुई तो तेंदुए से बच्चे को बचाने की कोशिश की गई। तेंदुए के छोड़ने के बाद मासूम को गंभीर हालात में अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर ने उपचार के बाद मौत की पुष्टि कर दी। बच्चे का नाम पूरब बताया जा रहा है। बता दें कि तेंदुए ने चार दिन पहले भी एक अन्य बालक पर हमला किया था। जिसके बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल था। वहीं इसकी सूचना वन विभाग को भी दी गई थी। बावजूद इन घटनाओं को रोकने वन विभाग अलर्ट नहीं है। हालांकि वन विभाग ने मासूम की मौत पर परिजनों को 25 हजार की सहायता राशि देने की घोषणा की है। तेंदुए के हमले से मासूम की मौत के बाद अब वन विभाग हरकत में आया है।

चने की ट्रक में छिपकर महाराष्ट्र से 11 मज़दूर पहुचे भिलाई

» प्रशासन ने किया क़्वारेंटिन

भिलाई (आरएनएस)। महाराष्ट्र चंद्रपुर में फंसे 11 मजदूर शुक्रवार को खुर्सीपार भिलाई लौटे। लौटने के लिए उन्होंने नया तरकीब निकाला। सभी चना से लोड ट्रक में छुपकर आए। जब रात में घर पहुंचे और दरवाजा खटखटाया तब परिवार के लोगों ने घर में घुसने से पहले उन्हें नहलाया। इसके बाद घर के अंदर आने दिया। पड़ोसियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने सभी को चिन्हित किया।

मेडिकल टीम बुला कर उन्हें कुम्हारी में क्वारंटाइन किया गया। सभी का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया। खुर्सीपार टीआई सुरेन्द्र उके ने बताया कि गुरुवार रात करीब 11 बजे 11 मजदूर महाराष्ट्र से पहुंचे। जोन-3 निवासी ठेकेदार हैदर अली ने उनकी वापसी के लिए भिलाई से लाइनअप किया।

नरवा, गरूवा, घुरवा, बाड़ी : वन मंत्री अकबर ने विभागीय काम-काज की समीक्षा की

» राज्य में 137 नालों को पुनर्जीवित कर ढाई लाख हेक्टेयर भूमि को किया जा रहा उपचारित

» वन क्षेत्रों में बड़े तालाबों के निर्माण को प्राथमिकता से शामिल करने के निर्देश

रायपुर, 11 अप्रैल (आरएनएस)। वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने आज राजधानी स्थित अपने निवास कार्यालय में वन विभाग के काम-काज की समीक्षा की। उन्होंने इस दौरान वन विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं नरवा विकास कार्यक्रम, वृक्षारोपण तथा आवर्ती चराई योजना के संबंध में विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को अपेक्षित प्रगति लाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

वन मंत्री अकबर ने नरवा विकास कार्यक्रम के तहत चिन्हांकित नालों के संरक्षण तथा संवर्धन कार्य के साथ-साथ वन क्षेत्रों में बड़े-बड़े तालाबों के निर्माण कार्य को भी अधिक से अधिक संख्या में शामिल करने के लिए निर्देशित किया। इसी तरह वन विभाग द्वारा आगामी बरसात के महीनों में वृक्षारोपण के लिए हर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवर्ती चराई योजना में लंबित कार्यों को शीघ्र स्वीकृत कराने और स्वीकृत सभी कार्यों को शीघ्रता से प्रारंभ करने के लिए भी निर्देशित किया।

राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना 'नरवा, गरूवा, घुरवा, बाड़ी' के अंतर्गत नरवा विकास कार्यक्रम में वन विभाग द्वारा वर्ष 2019-20 में राज्य के 137 छोटे-बड़े नालों को लगभग 160 करोड़ रूपए की लागत राशि से पुनर्जीवित करने का कार्य जारी है। विभागीय अधिकारियों द्वारा आज यहां बताया गया कि इसके तहत नालों में 56 हजार 709 विभिन्न संरचनाओं के माध्यम से दो लाख 44 हजार 690 हेक्टेयर भूमि को उपचारित करने का लक्ष्य है। इन संरचनाओं में ब्रशवुड चेकडेम, लूज बोल्डर चेकडेम, स्टाप डेम, चेकडेम, तालाब तथा स्टाप डेम आदि कार्य का निर्माण किया जा रहा है। नरवा विकास कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2020-21 में छत्तीसगढ़ प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (कैम्पा) के तहत वन क्षेत्रों में स्थित 308 छोटे-बड़ों नालों को 211 करोड़ रूपए की लागत राशि से पुनर्जीवित करने का कार्य प्रस्तावित है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरने एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे निश्चित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता फैला करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU